

अब रोहतक में भी वृंदावन का अहसास... बोलो राधे-राधे

रोहतक। शहर के वार्ड-6 में विकसित राधे-राधे पार्क आज क्षेत्र की पहचान बन चुका है। यह केवल एक सामान्य पार्क नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था, प्राकृतिक सौंदर्य और आधुनिक सुविधाओं का अनूठा संगम है। पार्क में प्रवेश करते ही ऐसा महसूस होता है जैसे व्यक्ति वृंदावन के किसी आध्यात्मिक उद्यान में पहुंच गया हो। यही कारण है कि यहां आने वाला लगभग हर व्यक्ति पार्क के एक-दो नहीं बल्कि कई चक्कर लगाकर ही वापस लौटता है। करीब 60 लाख रुपये की लागत से विकसित इस पार्क की सबसे बड़ी विशेषता इसकी राधा-कृष्ण थीम है। पार्क के मध्य में स्थापित भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी का भव्य स्कल्पचर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है।



चार चांद लगाते हैं फव्वारे

श्रीकृष्ण के हाथों में बांसुरी और उनके आसपास का मनमोहक वातावरण श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से भर देता है। पार्क के दोनों ओर लगाए गए आधुनिक फव्वारे इसकी सुंदरता में चार चांद लगाते हैं। जब फव्वारे चलते हैं और साथ ही पार्क में लगे स्प्रिंकल सिस्टम से मृदुर भजन गुंजते हैं, तो पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब जाता है। सुबह और शाम के समय यहां आने वाले लोग कुछ दूर के लिए स्वयं को वृंदावन की गलियों में महसूस करते हैं।

आकर्षक लाइटिंग सिस्टम

पूरे पार्क में आकर्षक लाइटिंग सिस्टम लगाया गया है, जिससे रात के समय इसकी सुंदरता और भी निखर जाती है। रंग-बिरंगी रोशनी में राधा-कृष्ण का स्कल्पचर और फव्वारे बेहद मनोहारी दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पार्क की चारदीवारी पर राधा-कृष्ण के जीवन प्रसंगों और धार्मिक भावनाओं से जुड़ी सुंदर चित्रकारी भी बनाई गई है, जो लोगों को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश देती है।

बच्चों के लिए झूले

आमजन की सुविधा के लिए पार्क में बैठने हेतु बेंच और शेड बनाए गए हैं। वहीं बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले लगाए गए हैं। युवाओं और स्वास्थ्य प्रेमियों के लिए शारीरिक गतिविधियों से जुड़े उपकरण भी उपलब्ध हैं। सुबह और शाम के समय सैकड़ों लोग यहां सैर, योग और व्यायाम के लिए पहुंचते हैं।

महिलाएं करती हैं भजन-कीर्तन

महिलाओं के समूह नियमित रूप से यहां भजन-कीर्तन और धार्मिक गीतों का आयोजन करते हैं, जिससे पार्क का वातावरण हमेशा जीवंत और आध्यात्मिक बना रहता है। वरिष्ठ नागरिक भी यहां बैठकर आपसी संवाद और समय व्यतीत करते हैं।

धार्मिक भावनाएं ध्यान में रखकर किया विकसित

यह पार्क क्षेत्रवासियों की आवश्यकताओं और धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। राधे-राधे पार्क ने न केवल वार्ड-6 की सुंदरता बढ़ाई है, बल्कि लोगों को एक ऐसा स्थान भी दिया है जहां वे प्रकृति, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता का एक साथ आनंद ले सकते हैं।



खबर संक्षेप

अलग-अलग क्षेत्र से युवक युवती लापता, केस दर्ज

रोहतक। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से एक युवक और एक युवती के लापता हो गए। सदर थाना क्षेत्र के गांव कटवाड़ा निवासी जोगेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका 18 वर्षीय बेटा हर्ष 15 जून को बिना किसी को बताए घर से कहीं चला गया। परिवार के सदस्यों ने रिश्तेदारों, दोस्तों और संभावित स्थानों पर उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरे मामले में पुरानी सब्जी मंडी थाना क्षेत्र की तेज कॉलोनी निवासी कमलेश ने शिकायत दी कि उसकी बेटी पूजा 16 जून को इंदिरा चक्रवर्ती कॉलेज में अपनी डिग्री लेने गई थी। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने अपने स्तर पर खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर संभावित स्थानों पर छानबीन शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही दोनों का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा।

तीन लोगों से ठगे लाखों रुपये, मामला दर्ज

रोहतक। जिले में साइबर ठगी के तीन अलग-अलग मामले सामने आए हैं, जिनमें मोबाइल हैकिंग और फर्जी लोन का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये ठग लिए गए। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बहु अकबरपुर थाना क्षेत्र के गांव सिंहपुरा कलां निवासी ज्योति ने बताया कि एक वीडियो एप डाउनलोड करने के बाद उसके फोन में कुछ एप्लीकेशन खुद इंस्टॉल हो गईं। अगले दिन मोबाइल में सॉफ्टवेयर अपडेट का संदेश आया और फोन रिसेट हो गया। बाद में बैंक खाता जॉर्चने पर पता चला कि उसके खाते से 50 हजार रुपये निकाल लिए गए हैं। वहीं शिवाजी कॉलोनी निवासी संजय को एक महिला ने स्वयं को बजाज फाइनेंस की कर्मचारी बताकर बीमा पॉलिसी के बदले तीन लाख रुपये का लोन दिलाने का झांसा दिया। आरोपियों ने उससे 4 किरतों में कुल 67 हजार रुपये जमा करवा लिए, लेकिन न तो लोन मिला और न ही रकम वापस की गई। एक अन्य मामले में बिजली निगम के जेई बलरा निवासी बबलू के खाते से मोबाइल हैकिंग के जरिए 1.28 लाख रुपये निकाल लिए गए। पुलिस आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

निगम को हर माह 1 करोड़ का फटका

भगत सिंह कॉम्प्लेक्स जहां एक करोड़ आय होनी थी, वहां रेनोवेशन के नाम पर खर्च करने पड़े 40 लाख

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

शहर के बीचोबीच बना भगत सिंह कॉम्प्लेक्स नगर निगम के लिए आय का बड़ा स्रोत बन सकता था, लेकिन वर्षों बाद भी यहां प्रस्तावित योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पाई हैं। निगम अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से करोड़ों की संभावित आय फाइलों में ही सिमटकर रह गई है। स्थिति यह है कि जिस परियोजना से निगम को हर माह एक करोड़ रुपये से अधिक की आय का अनुमान था, आज उसी की मरम्मत के लिए भी 40 लाख से अधिक की राशि लगानी पड़ी। अब पार्षद कपिल नागपाल ने कॉम्प्लेक्स में फायर ब्रिगेड कार्यालय स्थापित करने की मांग उठाई है, जिससे इस भवन का उपयोग जनहित में किया जा सके।

भगत सिंह कॉम्प्लेक्स को लेकर पूर्व में नगर निगम को एक विस्तृत प्रस्ताव भेजा गया था। तत्कालीन पार्षद नीरा भटनागर ने उस समय के उपायुक्त अतुल कुमार को कॉम्प्लेक्स के बेहतर उपयोग और राजस्व बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव सौंपा था। प्रस्ताव का अध्ययन करने के बाद तत्कालीन उपायुक्त ने इसे नगर निगम की बैठक में मंजूरी के लिए संयुक्त आयुक्त को भेज दिया था। निगम हाउस में इस प्रस्ताव को मंजूरी भी मिल गई, लेकिन इसके बावजूद इसे कभी लागू नहीं किया जा सका।

- तत्कालीन डीसी अतुल कुमार ने नगर निगम में पास करने के लिए भेजा था भगत सिंह कॉम्प्लेक्स का प्रोजेक्ट, 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किया था उद्घाटन
- पार्षदों ने सौंपा था तत्कालीन निगम आयुक्त



28 बूथ और 22 बड़े शोरूम बनाने की थी योजना

प्रस्ताव के अनुसार भगत सिंह कॉम्प्लेक्स के गाउंड फ्लोर पर व्यवस्थित पार्किंग विकसित की जानी थी, जबकि अपर गाउंड फ्लोर पर फूड नेटवर्क की व्यवस्था की जानी थी। इसके अलावा प्रथम और द्वितीय तल पर कुल 22 बड़े शॉपिंग शोरूम विकसित करने की योजना तैयार की गई थी। इन दुकानों और व्यावसायिक स्थलों को किराये पर देकर नगर निगम को नियमित आय प्राप्त हो सकती थी। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि यदि योजना लागू होती है तो निगम को प्रत्येक माह करीब एक करोड़ 13 लाख 28 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। इसे उपायुक्त द्वारा निगम के संयुक्त आयुक्त को मीटिंग में पास करने के लिए भेजा गया था।

- को हर माह एक करोड़ 13 लाख 28 हजार रुपये की मासिक आय का प्रोजेक्ट
- दुकानों को किराये पर दिया जाना था
- अब पार्षद कपिल नागपाल ने की कॉम्प्लेक्स में फायर ब्रिगेड कार्यालय खोलने की मांग

न नागरिकों को पूरा लाभ मिल रहा है और न नगर निगम को

पार्षदों का कहना है कि भगत सिंह कॉम्प्लेक्स शहर की एक महत्वपूर्ण संपत्ति है, लेकिन इसका पूरा लाभ तो नागरिकों को मिल रहा है और न ही नगर निगम को। कई बार इस भवन के उपयोग को लेकर चर्चाएं हुईं, लेकिन कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आ पाया। इसके कारण भवन का बड़ा हिस्सा खाली पड़ा है और रखरखाव पर खर्च होने के बावजूद निगम को अपेक्षित आय नहीं मिल रही।

हर साल करोड़ों का नुकसान

2017 में तत्कालीन डीसी अतुल कुमार को रिपोर्ट सौंपी थी। जिसे उपायुक्त ने नगर निगम की मीटिंग में पास करने के लिए संयुक्त आयुक्त निगम को भेजा था। इसे हाउस में पास किया गया लेकिन लागू नहीं हो पाया जिसकी वजह से निगम को हर साल करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। अब दोबारा पत्र लिखकर कामलेक्स की दुकानें अलॉट करने की मांग उठाई गई है।

अग्नि-शमन केंद्र बनाए निगम

निगम आयुक्त को पत्र भेजा गया है। शहर के मुख्य बाजार में एक बड़ा हिस्सा किला रोड, बड़ा बाजार, दिल्ली गेट, गोहाना अड्डा, निरंकारी मार्केट और इनके आस-पास बसे हुए रहिवासी इलाके किला रोड, पाड़ा गोहाना, गोहाना अड्डा हैं। यहां 50 हजार रहिवासी आवादी हैं। दिन में बाजारों में हजारों लोग आते-जाते हैं। आस-पास के गांवों से भी लोग खरीदारी करने आते हैं। इन बाजारों व साथ लगाए रहिवासी इलाकों में बहुत बड़ा गालियां हैं। आग के खतरे को देखते हुए कामलेक्स में फायर ब्रिगेड कार्यालय खोलने की मांग की गई है।

-कपिल नागपाल, पार्षद, वार्ड 7

सखी

शहर के सीसीटीवी रख रहे हर गतिविधि पर नजर

हेलमेट न पहना तो कैमरा भेजेगा चालान

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

अगर आप यह सोचकर बिना हेलमेट बाइक चला रहे हैं कि रास्ते में कोई पुलिसकर्मी नहीं है, तो सावधान हो जाइए। अब सड़क पर खड़े पुलिसकर्मी से ज्यादा नजर शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे रख रहे हैं। आपकी जरा सी लापरवाही और चालान आपके फोन पर होगा। शहर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर डिजिटल निगरानी बढ़ा दी गई है। पिछले महीने में 60 वाहन चालकों के ऑनलाइन चालान हो चुके हैं। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और व्यस्त सड़कों पर लगे हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे वाहनों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। कैमरों से ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों की पहचान की जा रही है। वाहन नंबर के जरिये ई-चालान वाहन मालिक के मोबाइल नंबर पर भेजा जा रहा है।



कैमरों की नजर से बचना आसान नहीं

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आधुनिक तकनीक का उपयोग कर सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाया जा रहा है। पहले जहां नियम तोड़ने वाले कई लोग मौके से बच निकलते थे, वहीं अब कैमरों की नजर से बचना आसान नहीं है। ट्रैफिक नियमों का पालन कराने के लिए यह व्यवस्था काफी प्रभावी साबित हो रही है। एक महीने के दौरान करीब 60 लोगों के ऑनलाइन चालान किए गए हैं। इनमें अधिकतर मामले बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने से जुड़े हैं। पुलिस का कहना है कि हेलमेट न केवल चालान से बचने के लिए बल्कि अपनी जान की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। सड़क दुर्घटनाओं में हेलमेट नगीर चोटों और मौत के खतरे को काफी हद तक कम करता है।

एक महीने में ये हुई कार्रवाई

- करीब 60 ऑनलाइन चालान जारी
- अधिकतर चालान बिना हेलमेट वाहन चलाने पर
- शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर निगरानी
- सीसीटीवी कैमरों से हो रही पहचान
- मोबाइल फोन पर भेजे जा रहे चालान
- ये है प्रक्रिया
- सीसीटीवी कैमरा नियम उल्लंघन रिकॉर्ड करता है।
- वाहन नंबर की पहचान की जाती है।
- सिस्टम में वाहन की डिटेल्स निकाली जाती हैं।
- इसके बाद ऑनलाइन चालान जेनरेट होता है।

ऑनलाइन निगरानी होगी और मजबूत

अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में ऑनलाइन निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा। शहर के अधिक क्षेत्रों को कैमरों की निगरानी में लाया जा रहा है ताकि यातायात नियमों का बेहतर तरीके से पालन सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है।

नियम तोड़ने वालों के हो रहे चालान

शहर में ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी की जा रही है। नियम तोड़ने वालों के ऑनलाइन चालान किए जा रहे हैं। लोगों को अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनना और यातायात नियमों का पालन करना चाहिए।

-गौरव राजपुरोहित, एसपी, रोहतक

योग मानव जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का मुख्य आधार : भाटिया

योग मेगा इवेंट की मुख्य विशेषता
रही विजुअल आर्ट की प्राध्यापिका
डॉ. अजंलि की क्यूरेटेड प्रदर्शनी

सबको विकता और केता यहां पर आते रहते हैं। महम के व्यापारियों एवं नागरिकों ने मार्केट कमेटी के सचिव एवं चेयरमैन से मांग की है कि तीनों वाटर कूलर्स की तत्काल जांच करवाकर उन्हें शीघ्र चालू कराया जाए, ताकि मंडी में आने वाले लोगों को स्वेच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सके। पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में लापरवाही उचित नहीं है। जनहित को देखते हुए समस्या का जल्द समाधान किया जाए।

ख़बर संक्षेप

शिव संगम क्रिकेट एकेडमी ने जीता मैच

रोहतक। गोयल यू-14 सर्गंग क्रिकेट कप के एक लीग मुकाबले में शिव संगम क्रिकेट एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डीसीए मानसा यू-14 टीम को 177 रनों के बड़े अंतर से पराजित कर दिया। ऑक्सीजन क्रिकेट मैदान में खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शिव संगम क्रिकेट एकेडमी ने 40 ओवर में 5 विकेट पर 266 रन बनाए। टीम की ओर से यशनील ने 79 रेंदों में 12 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 101 रन की शानदार शतकीय पारी खेली। हिमांक सहगल ने भी 57 रन का योगदान दिया। डीसीए मानसा की ओर से कल्पेश दलाल ने 4 विकेट लिए।

एशियन गेम्स के लिए अक्षय हुड्डा का चयन



रोहतक। जिले के होनहार ताड़क्वांडो खिलाड़ी एवं इंडियन आर्मी टीम के सदस्य अक्षय हुड्डा का चयन आगामी 20वें एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में हुआ है। एशियन गेम्स का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान में होगा। अक्षय की इस उपलब्धि पर उनके कोंच सतीश दुल ने खुशी जताते हुए बताया कि उनकी खेल यात्रा वर्ष 2012 में रोहतक के एमडीएन पब्लिक स्कूल से शुरू हुई थी। अक्षय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं।

एसजेके में नशामुक्त भारत अभियान चला



कलानौर। संत जीदा कल्याणा (एसजेके) कॉलेज कलानौर में भारत सरकार के नशामुक्त भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को नशामुक्त रहने की शपथ दिलाई गई तथा शान में मिलकर विशाल मानव श्रृंखला बनाकर समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार दुआ ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। इससे बचना जरूरी है।

योजना के तहत आज लाभार्थियों को मिलेंगे 2400 करोड़

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के सफल क्रियान्वयन के उपलक्ष्य में 19 जून को विज्ञान भवन नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में भारत के



सूचना
मैं, श्रीमति शशिबाला पत्नी श्री जगवीर सिंह निवासी 190, नन्दकी रविदास मन्दिर, कलानौर, तहसील कलानौर, जिला रोहतक बन्धान करती हूँ कि मेरी पुत्री आशु कुमारी मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सूचना
मैं, बलबीर सिंह पुत्र श्री फुला राम निवासी मकान नंबर 18/19, सूर्य नगर, शास्त्री नगर, रोहतक, हरियाणा बयान करता हूँ कि मेरा पुत्र सिकंदर व पुत्रवधु ज्योति मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सिंचाई मंत्री ने किया उद्घाटन, गांवों में जलभराव से मिलेगी मुक्ति

38.45 करोड़ की परियोजनाओं से मजबूत होगी जल निकासी व्यवस्था

झंझर सब ब्रांच नहर का रीमॉडलिंग से 32,500 एकड़ कृषि भूमि को लाभ मिलेगा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि जिले में लगभग 38.45 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई छह महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं सिंचाई और जल निकासी व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेंगी। इन परियोजनाओं से हजारों एकड़ कृषि भूमि को लाभ मिलेगा और कई गांवों में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान होगा।

श्रुति चौधरी ने वीरवार को स्थानीय सिंचाई विश्राम गृह में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छह विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों की बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए जल प्रबंधन और आधारभूत ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। मंत्री ने बताया कि पहली परियोजना के तहत शिमली की आबादी क्षेत्र में रोहतक लिंक ड्रेन के आरडी 1100



रोहतक। सिंचाई विश्राम गृह में छह विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते सिंचाई एवं जल संसाधन तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी।

से 1750 तक आरसीसी ट्रफ का निर्माण किया गया है। करीब 1.64 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना से लगभग 500 एकड़ क्षेत्र को लाभ मिलेगा। दूसरी परियोजना के अंतर्गत गांव से लादौत के निचले क्षेत्रों से वर्षा और बाढ़ के पानी की निकासी के लिए भूमित पाइपलाइन बिछाई गई है। लगभग 1.32 करोड़ रुपये की लागत वाली इस योजना से लादौत और भैयापुर सहित करीब 300 एकड़ क्षेत्र को राहत मिलेगी। गांव आसन ध्यान दे रही है। मंत्री ने बताया कि पहली परियोजना के तहत शिमली की आबादी क्षेत्र में रोहतक लिंक ड्रेन के आरडी 1100

अधिक की लागत वाली इस योजना से लगभग 800 एकड़ क्षेत्र में बाढ़ के पानी की निकासी सुगम होगी। वहीं चौथी परियोजना के अंतर्गत दिल्ली बाईपास के निकट 5.36 करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला कार्यशाला भवन का निर्माण किया गया है, जिससे विभागीय कार्यों की दक्षता बढ़ेगी। पांचवीं परियोजना के तहत गढ़ी-सांपला-किलोई, महम और कलानौर विस क्षेत्रों में 13 करोड़ रुपये की लागत से बाढ़ सुरक्षा संबंधी कार्य कराए जाएंगे। इससे 10,550 एकड़ क्षेत्र को लाभ मिलेगा और आसन, धामड़, किलोई, गांधरा, चुलियाना, ईस्माइला,

सीएमओ से बुलावा आने पर पार्षदों ने स्थगित किया धरना, आज हो सकती है मुख्यमंत्री से मुलाकात

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

विकास भवन पर दिया जाना था धरना, मंगलवार को पांच घंटे तक बैठे थे

कि इस बैठक में उनकी समस्याओं का समाधान निकलेगा। गत मंगलवार को जिला परिषद के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने विकास भवन पर धरना देकर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेंद्र कुमार के पास मौजूद नगर निगम आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार वापस लेने की मांग उठाई थी।

लोगों को होती है परेशानी

उनका तर्क था कि एक ही अधिकारी के पास कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां होने से विकास कार्यों और प्रशासनिक कामकाज पर प्रतिकूल

नरेंद्र कुमार को सौंपा था अतिरिक्त कार्यभार

धरने के दौरान पार्षदों ने चेतावनी दी थी कि यदि उनकी मांग पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। हालांकि उनकी मांग पूरी करने के बजाय उसी दिन सरकार ने नरेंद्र कुमार को जिले की सभी नगरपालिकाओं का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंप दिया। इस निर्णय के बाद पार्षदों में और अधिक नाराजगी बढ़ गई थी। सरकार के इस कदम के विरोध में पार्षदों ने वीरवार को एक बार फिर विकास भवन पर धरना देने की घोषणा की थी। इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई थीं और प्रतिनिधियों ने व्यापक स्तर पर आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति बनाई थी। लेकिन धरने से पहले ही मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बातचीत का प्रस्ताव आने के बाद उन्होंने आंदोलन स्थगित करने का फैसला लिया।

अलग-अलग अधिकारियों की नियुक्ति की जाए

पार्षदों का कहना है कि उनका उद्देश्य एकराव नहीं बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाना है। वे चाहते हैं कि जिला परिषद, नगर निगम और नगरपालिकाओं के कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के लिए अलग-अलग अधिकारियों की नियुक्ति की जाए ताकि विकास कार्यों में तेजी आ सके। अब सभी की निगाहें शुक्रवार को प्रस्तावित बैठक पर टिकी हैं। यदि मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ होने वाली वार्ता में कोई सकारात्मक निर्णय नहीं निकलता है तो पार्षद आगे की रणनीति तय करेंगे। फिलहाल उन्होंने धरना स्थगित कर सरकार को अपनी बात रखने का एक और अवसर देने का फैसला किया है।

प्रभाव पड़ रहा है। जिला परिषद और नगर निगम दोनों संस्थाओं के कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे लोगों को भी परेशानी होती है।

प्रधानमंत्री लाभार्थियों से करेंगे संवाद

प्रधानमंत्री विभिन्न क्षेत्रों के लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे। कार्यक्रम का सौधा प्रसारण दूरदर्शन के माध्यम से किया जाएगा। केशव प्रताप सिंह चौधरी बताया कि देशव्यापी जागरूकता अभियान के तहत 200 स्थानों पर एक साथ क्षेत्रीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में देशभर से 65 हजार से 70 हजार प्रतिभागी शामिल होंगे। हरियाणा के हिसार स्थित मेसर्स ज़िंदल स्टेनलेस लिमिटेड में आयोजित कार्यक्रम में हिसार विधायक साध्वि ज़िंदल मुख्य अतिथि (जबकि हंपीरफओ रोहतक के क्षेत्रीय मविद्य निधि आयुक्त-1 अनूप कटियार विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यहां लगभग 300 नियोजता, कर्मचारी और यूनिवर्सल प्रतिनिधि भाग लेंगे।

अभिनय

रोमांटिक हिट ‘ठुकरा के मेरा प्यार’ के पहले सीजन में छोड़ी थी छाप

सुपवा के पूर्व छात्र की ओटीटी पर दिखेगी अदाकारी, जियो हॉटस्टार पर आज रिलीज होगा वेबसीरीज का सीजन-2

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

दादा लखी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के पूर्व छात्र की अदाकारी आज से ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर नजर आने वाली है। रोमांटिक हिट रही वेबसीरीज ‘ठुकरा के मेरा प्यार’ का आज दूसरा सीजन स्ट्रीम होने वाला है, जिसमें सुपवा के पूर्व छात्र व मौजूदा असिस्टेंट प्रोफेसर आशीष नेहरा की अभिनय क्षमता दिखाई देगी। इससे पहले ‘ठुकरा के मेरा प्यार’ के पहले सीजन में भी आशीष ने अपने अभिनय की अमिट छाप छोड़ी थी।

आशीष नेहरा ने बताया कि उनके फिल्मी सफर में डीएलसीसुपवा का सबसे बड़ा योगदान रहा है। वे साल 2011 बैच में बैचलर इन डायरेक्शन ‘दूजवर-2, सपने वसंत एक्सीवर्न, जालिमपुर आदि में अपनी एक्टिंग की प्रतिभा के दम पर वाहवाही बटोर चुके हैं। आशीष नेहरा इससे पहले



मिलते चले गए। अभी पिछले दिनों दूजवर-2, सपने वसंत एक्सीवर्न, जालिमपुर आदि में अपनी एक्टिंग की प्रतिभा के दम पर वाहवाही बटोर चुके हैं। आशीष नेहरा इससे पहले

‘डीजे वाले बाबू’, ‘कुड़ी हरियाणा वल दी’, ‘ठुकरा के मेरा प्यार-1’, ‘दूजवर-1’, ‘दहलीज’, ‘कांड 2010’ में अपने अभिनय से दर्शकों पर छाप छोड़ चुके हैं, जबकि उनके

निर्देशन में बनी फिल्म ‘पिंजरे की तितलियां’ और ‘घर की बात’ को कई फिल्म फेस्टिवल में अवार्ड मिल चुके हैं। आशीष फिलहाल सुपवा में ही असिस्टेंट प्रोफेसर के

नहरों की बढ़ेगी क्षमता 3 जिलों को मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि भालौठ सब ब्रांच और झंझर सब ब्रांच नहरों की क्षमता बढ़ाने की महत्वाकांक्षी परियोजना पर जल्द कार्य शुरू किया जाएगा। करीब 480 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से सोनीपत, रोहतक और झंझर जिलों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। मंत्री ने वीरवार को विभिन्न नहरों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि भालौठ सब ब्रांच की लंबाई लगभग 1.56 लाख फुट तथा झंझर सब ब्रांच की लंबाई 62 हजार फुट है। वर्तमान में दोनों नहरों की डिजाइन क्षमता 2052 क्यूसेक है, जिसे बढ़ाकर 2700 क्यूसेक किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका, भाजपा नेता दीपक निवास हुड्डा, सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता सतपाल दलाल, कार्यकारी अभियंता अरुण मुंजाल और कुलताज सिंह उपस्थित रहे।



मंत्री श्रुति चौधरी भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक प्रो. कुलताज सिंह के एमडीयू स्थित आवास पर भी पहुंचीं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व मंत्री मनीष कुमार श्रवण, भाजपा जिला अध्यक्ष रणवीर सिंह ढाका, जिला परिषद चेयरपर्सन मंजू हुड्डा, मार्केट कमिटी चेयरमैन अशोक चौधरी, उदयभान मलिक, दीपक निवास हुड्डा, संदीप बंसल और डॉ. राजेश सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

विश्व बैंक की सहायता से हरियाणा को मिली हैं 5,700 करोड़ रुपये की परियोजनाएं

रोहतक। सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि हरियाणा में पहली बार विश्व बैंक की सहायता से लगभग 5,700 करोड़ रुपये की लागत वाली एकीकृत जल प्रबंधन परियोजना लागू की जा रही है, जो प्रदेश में जल संसाधनों के संरक्षण, सिंचाई व्यवस्था के आधुनिकीकरण और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करने की दिशा में गेम चेंजर साबित होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के दौरान जनकल्याण और दीर्घकालिक विकास योजनाओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। मंत्री वीरवार को जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए सभागार में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। मंत्री चौधरी ने बताया कि एकीकृत जल प्रबंधन परियोजना के तहत प्रदेश के प्रमुख जल नियंत्रण केंद्रों पर आधुनिक एससीएडीए प्रणाली स्थापित की जाएगी। इसके माध्यम से नहरों में पानी की उपलब्धता, वितरण और टेल एंड तक पानी पहुंचने की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने लगभग 24.36 करोड़ रुपये की लागत से 19 गांवों में प्लट वरस योजनाओं को मंजूरी दी है।

नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

कांग्रेस भवन में नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष सुनील गोयल (बल्लू) एवं कपिल खन्ना के सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस परिवार के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने दोनों नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में रोहतक के विधायक भारत भूषण बत्रा ने कहा कांग्रेस परिवार रोहतक की जनसमस्याओं को निदान दिलाने के लिए हर प्रयास करेगा। जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष कुलदीप केडी, जिला कांग्रेस कमिटी ग्रामीण के अध्यक्ष बलवान रंगा तथा समस्त कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों ब्लॉक अध्यक्ष को बुरे, पगड़ी एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया



तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला अध्यक्ष कुलदीप केडी ने कांग्रेस हाईकमान एवं वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा योग्य एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपने से पार्टी और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने बताया लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्म दिवस सुबह 10 बजे चौधरी लखौराम आर्यअनाथालय आश्रम दयानंद मठ

में मनाया जाएगा।

इस मौके पर पंकज सचदेवा, बलजीत राणा, सुलभ गुगनानी, कदम सिंह बड़वाल, गुलशन डंग, सुनील अड़क, मोनू शर्मा, गीता भारती पुरुषोत्तम दास बंसल, रमेश रोहिला सोमनाथ मेहता, रोबिन सचदेवा, बिट्टू सचदेवा, गुलशन बत्रा, अजय बत्रा, राजीव अत्री, अनुराग परवाना, चरणजीत शर्मा, मयूर, सचवान चहल, डॉ जयपाल आदि मौजूद रहे।



योग शिक्षकों को किया सम्मानित

रोहतक। भारत स्वामिनाथन पतंजलि योग समिति, रोहतक द्वारा गोकर्ण पार्क में पांच दिवसीय निःशुल्क योग शिबिर के तीसरे दिन योग साधकों को 21 जून को होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल के अनुसार योगासन और प्राणायाम का अभ्यास करवाया। इस अवसर पर महान वीरगाना रानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में दया आर्य ने वरिष्ठ योग शिक्षिकाओं आशा, निर्मला और सावित्री को योग साहित्य भेंट कर सम्मानित किया। वहीं जनार्दन आर्य ने वरिष्ठ योग शिक्षकों देवी सिंह, माहट्टर किराड़ सिंह और ओमप्रकाश आर्य को पतंजलि की टी-शर्ट एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

डार्क और इंटेंस लव, पॉलिटिक्स और रिवेंज आधारित ड्रामा

आशीष बताते हैं कि ‘ठुकरा के मेरा प्यार सीजन-2’ की कहानी पहले सीजन के अंत से आगे बढ़ती है, जो उत्तर प्रदेश के बैकड्रॉप पर आधारित एक बेहद डार्क और इंटेंस लव, पॉलिटिक्स और रिवेंज (प्रतिशोध) ड्रामा है। कहानी के केंद्र में कुलदीप (धवल ठाकुर) और शिखा (संचिता बसु) हैं। पहले सीजन में इनके बीच एक गहरी प्रेम कहानी दिखाई गई थी, जो जातिगत भेदभाव, पारिवारिक रस्स और धोखे के कारण वह रिश्ता पूरी तरह टूट जाता है। सीजन-2 में कुलदीप उस धोखे और अपमान का शिखा और व उसके रसूखदार परिवार से बदला लेना चाहता है। यहीं से सर्वेश सिंह (आशीष नेहरा) इस खेल में बड़ा मोहरा बनकर उभरते हैं। सर्वेश सिंह का किर्तदार कहानी में सत्ता, रसूख व अपनी शर्तों पर खेल चलाने वाले एक रफ टंड एफ मिजाज का है, जो कुलदीप की प्रतिशोध की आग में धी डालने या उसके रास्ते में सबसे बड़ी दीवार बनने का काम करता है।

पद पर भी कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि ‘ठुकरा के मेरा प्यार-1’ को मिली सफलता के बाद फिल्म निर्माता ने ‘ठुकरा के मेरा प्यार-2’ बनाने का फैसला लिया।

नीट से बड़ी है जिंदगी

असफलता अंत नहीं, बल्कि नए अवसरों की शुरुआत

मनोज वर्मा ►► रोहतक

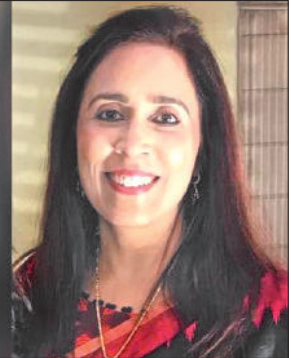
नीट परीक्षा दोबारा 21 जून को होगी, लेकिन देशभर में तैयारी कर रहे छात्रों के आत्महत्या करने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था, अभिभावकों और समाज के सामने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 36 दिनों में 12 छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने यह बहस और तेज कर दी है कि आखिर छात्रों पर परीक्षा का तनाव ज्यादा भारी पड़ रहा है या फिर अभिभावकों और समाज की अपेक्षाओं का बोझ। इस विषय पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की प्रोफेसर अंजलि मलिक का कहना है कि किसी भी परीक्षा से बड़ी छात्र की जिंदगी होती है। यदि बच्चे को यह महसूस होने लगे कि उसकी कीमत केवल अंकों, रैंक या चयन से तय होगी, तो वह मानसिक दबाव में आ सकता है। ऐसे में अभिभावकों, शिक्षकों और समाज की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। आज जरूरत है सफलता की परिभाषा बदली जाए, छात्रों को असफलता से उबरना सीखाना होगा। बच्चों को भरोसा दें कि एक परीक्षा में असफलता उनका भविष्य या परिवार में उनका महत्व तय नहीं करती। जीवन में अवसरों की कमी नहीं है, लेकिन एक गलत फैसला जिंदगी का अंत कर सकता है। असफलता अंत नहीं, बल्कि नए अवसरों की शुरुआत होती है।



सपनों का बोझ या उम्मीदों का दबाव, आखिर क्यों टूट रहे छात्र

रुकिए, बात कीजिए, आत्महत्या समाधान नहीं रैंक से बड़ी है जिंदगी : इसे अभिभावकों को भी समझना होगा

कुछ सेकेंड का ठहराव बचा सकता है एक जिंदगी



सपनों के बोझ को नहीं बनने दें मानसिक दबाव

डॉक्टर बनने का सपना कई छात्रों का अपना होता है, लेकिन कहां बार यह सपना परिवार और समाज की अपेक्षाओं का बोझ भी बन जाता है। कोविंग का माहौल, लगातार प्रतिस्पर्धा, दूसरों के रिजल्ट और भविष्य की चिंता छात्र को भीतर ही भीतर कमजोर करने लगती है। जब छात्र यह मानने लगता है कि असफलता उसके पूरे भविष्य को खत्म कर देगी, तभी मानसिक दबाव खतरनाक रूप लेने लगता है।

माता-पिता के लिए बच्चा पहले, रैंक बाद में

किसी भी माता-पिता के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता बच्चे का जीवन, मानसिक स्वास्थ्य और खुशी होनी चाहिए, न कि उसकी रैंकिंग, प्रतिशत या कोई भी परीक्षा। अवसर अभिभावक अंजजाने में बच्चों को यह महसूस करा देते हैं कि उनका मूल्य केवल अच्छे अंकों और चयन से जुड़ा है। यही सोच बच्चों में असफलता का डर पैदा करती है। सीट या रैंक दोबारा हासिल की जा सकती है, लेकिन जिंदगी नहीं।

संवाद टूटे तो बढ़ता है खतरा

मनोवैज्ञानिक के अनुसार अधिकांश छात्र अपनी परेशानियां खुलकर नहीं बता पाते। वे डरते हैं कि कहीं उन्हें कमजोर न समझ लिया जाए या डांट न पड़ जाए। ऐसे में परिवार और शिक्षकों को बच्चों के व्यवहार में बदलाव पर नजर रखनी चाहिए। यदि बच्चा अचानक चुप रहने लगे, अकेले रहने लगे, पढ़ाई से दूरी बनाने लगे या निराशा की बातें करे तो इसे सामान्य नहीं मानना चाहिए। समय रहते संवाद शुरू करना कई बड़ी घटनाओं को रोक सकता है।

खबर संक्षेप



दो आरोपियों से तीन पिस्तौल और नौ जिंदा कारतूस बरामद

रोहतक। जिले की अलग-अलग थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन पिस्तौल और नौ जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। दोनों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जनता कॉलोनी निवासी कालू पुत्र देवेंद्र को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक विदेशी पिस्तूल, एक देशी पिस्तौल तथा आठ जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

नई ट्रांसफर पॉलिसी: 30 तक जारी होगा शेड्यूल

रोहतक। हरियाणा राजकीय अध्यापक कल्याण संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामबीर ककराना के नेतृत्व में शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल शिक्षा विभाग के निदेशक जितेंद्र कुमार (दहिया) से मिला। ककराना ने नई टीचर ट्रांसफर पॉलिसी बनाने के लिए निदेशक का आभार व्यक्त किया। साथ ही, मांग की कि नई नीति को जल्द मंजूरी दिलाकर ऑनलाइन ट्रांसफर प्रक्रिया शुरू की जाए। निदेशक ने बताया कि पॉलिसी में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिसका ड्राफ्ट 22 जून को होने वाली कैबिनेट मीटिंग में रखा जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी मिलते ही शिक्षकों के ट्रांसफर का शेड्यूल जारी कर दिया जाएगा, जिसके 30 जून तक आने की पूरी संभावना है।

समाधान शिविर में समस्याओं का अंबार, फरियादी मटकते रहे, प्रशासन देता रहा आश्वासन

शिमली की महिलाओं का सवाल, चारागाह की जमीन में सरपंच क्यों काट रहा प्लॉट

बेटी की शादी हुई तो किशनी देवी का राशन बंद, प्रशासन ने जांच शुरू कराई

हरिभूमि न्यूज ►► रोहतक

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के दावों के बीच वीरवार को आयोजित जन कल्याण एवं समाधान शिविर में एक बार फिर प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े होते नजर आए। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादी अपनी समस्याएं लेकर अधिकारियों के सामने गुहार लगाते रहे, लेकिन कई मामलों में उन्हें तत्काल समाधान के बजाय एक टेबल से दूसरी टेबल तक भेजा जाता रहा। इससे लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली।

शिमली गांव से पहुंची कमला, निर्मला, फूला देवी, उर्मिला, अनीता और सुनील ने गांव की चारागाह भूमि को लेकर गंभीर आरोप लगाए। ग्रामीणों का कहना था कि गांव की सार्वजनिक उपयोग की जमीन पर प्लॉट काटे जा रहे हैं। उनका आरोप था कि जिन लोगों के पास पहले से प्लॉट हैं, उन्हें भी भूखंड आवंटित किए जा रहे हैं, जबकि यह भूमि चारागाह और जोहड़ क्षेत्र से संबंधित है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की।

पेंशन बंद कर दी गई

चमारिया गांव की अंजू ने बताया कि वह विधवा हैं और उनकी पेंशन बंद कर दी गई है। परिवार पहचान पत्र में आय अधिक दर्शाए जाने के कारण उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा। उनका कहना था कि वास्तविक आय और रिकॉर्ड में दर्ज आय में बड़ा अंतर है, लेकिन कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ।



चार माह से नहीं मिला राशन

विधवा किशनी देवी की शिकायत भी शिविर में चर्चा का विषय बनी रही। उन्होंने बताया कि पिछले चार महीनों से उनका राशन बंद है। उनका कहना था कि उनकी बेटी की शादी होने के बाद परिवार के राशन कार्ड में बदलाव हुआ और उसके बाद से उन्हें राशन मिलना बंद हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित विभाग के चक्कर लगाने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया। बेटी की शादी होने पर राशन कैसे बंद हुआ, इसकी जांच प्रशासन ने शुरू करा दी है। मौके पर मौजूद एक प्रशासनिक कर्मचारी ने किशन देवी की फैमिली आईडी चेक करने के बाद कहा कि आईडी में जो डाटा अपडेट हुआ है, उसमें कोई तकनीकी खराबी हो सकती है, जिससे की वजह से राशन बंद हो गया हो।



केवल आश्वासन ही मिला

शिविर में पहुंचे अनेक लोगों की शिकायतें परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, पेंशन, आय प्रमाणन और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ी हुई थीं। कई फरियादियों ने बताया कि वे पहले भी ऐसे शिविरों में अपनी शिकायतें दर्ज करा चुके हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है। कुछ लोगों ने कहा कि शिकायत दर्ज होने के बाद भी उन्हें बार-बार नए दस्तावेज जमा करने के लिए कहा जाता है। जन कल्याण और समाधान शिविरों का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का मौके पर निपटारा करना बताया जाता है, लेकिन वीरवार को आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में शिकायतें केवल संबंधित विभागों को भेजे जाने तक सीमित रहीं। कई फरियादियों ने सवाल उठाया कि यदि उन्हें फिर विभागीय कार्यालयों के चक्कर ही लगाने हैं तो ऐसे शिविरों की उपयोगिता क्या है। शिविर में पहुंचे फरियादियों का कहना था कि सरकार और प्रशासन को केवल शिकायतें सुनने तक सीमित रहने के बजाय उनके समाधान की प्रभावी व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि आम नागरिकों का भरोसा बना रहे।

फर्श पर बैठी जनता, कुर्सियों पर व्यवस्था



समस्याओं का समाधान नहीं

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब विभिन्न विभागों के अधिकारी अपने कार्यालयों में मौजूद हैं तो फिर लोगों को सीधे उपयुक्त कार्यालय तक क्यों पहुंचना पड़ रहा है। क्या संबंधित विभाग स्तर पर शिकायतों का समाधान नहीं हो रहा। यदि हो रहा है तो फिर हर रोज उपयुक्त कार्यालय के बाहर इतनी भीड़ क्यों दिखाई देती है। समाधान शिविरों का उद्देश्य लोगों को राहत देना है, लेकिन यदि शिकायतकर्ताओं को पहले विभाग, फिर शिविर और अंत में उपयुक्त कार्यालय तक पहुंचना पड़े तो व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठाना स्वाभाविक है। कई शिकायतकर्ता बताते हैं कि वे एक ही समस्या को लेकर कई बार आवेदन दे चुके हैं, लेकिन समाधान के बजाय उन्हें केवल आश्वासन मिलता है।

शिकायतों की संख्या बढ़ रही

लघु सचिवालय में वीरवार को दिखाई दिए ये दृश्य केवल एक दिन की कहानी नहीं हैं। यह उच्च व्यवस्था का आईना है, जिसमें शिकायतों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन समाधान की रफ्तार लोगों की अपेक्षाओं से काफी पीछे दिखाई देती है। जनता आज भी जवाब तलाश रही है कि आखिर समाधान शिविरों और जनसुनवाई कार्यक्रमों के बावजूद उन्हें अफसरों के दवाजे पर कतार क्यों लगनी पड़ती है। जब तक शिकायतों का वास्तविक और समयबद्ध निपटारा नहीं होगा, तब तक फर्श पर बैठी जनता और कार्यालयों के बाहर लगी कतारें प्रशासनिक दावों पर सवाल उठाती रहेंगी।

विकित्सा और विज्ञान क्षेत्र में अनेक अन्य विकल्प मौजूद

नीट में सफलता निश्चित रूप से एक उपलब्धि है, लेकिन यह जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं है। यदि किसी छात्र का चयन नहीं होता तो उसके लिए विकित्सा और विज्ञान क्षेत्र में अन्य विकल्प मौजूद हैं। फार्मसी, नर्सिंग, रिसर्च, फिजियोथेरेपी, पैरामेडिकल, बायोटेक्नोलॉजी और कई अन्य क्षेत्रों में भी करियर बनाया जा सकता है। एक परीक्षा में असफल होना जीवन में असफल होना नहीं है।

छात्रों के लिए सलाह

- नीट की तैयारी को जीवन का एक हिस्सा मानें, पूरी जिंदगी नहीं। तनाव या चिंता बढ़े तो उसे मन में दबाने के बजाय किसी से साझा करें।
- अपनी तुलना दूसरे छात्रों से करने से बचें। नियमित सीढ़, संतुलित भोजन और आराम करें।
- असफलता को सीखने का अवसर समझें, हार का प्रमाण नहीं। याद रखें, एक परीक्षा आपकी पूरी पहचान तय नहीं करती।
- अभिभावकों के लिए सुझाव
- बच्चों पर अपनी महत्वाकांक्षाएं न थोपें। परिणाम से अधिक प्रयास व मेहनत की सराहना करें।
- हर समय रैंक, नंबर और चयन की चर्चा करने से बचें। बच्चों को यह भरोसा दें कि परिवार साथ है।
- तुलना करने के बजाय व्यक्तिगत क्षमता समझें। यदि बच्चा तनाव में दिखे तो उसकी बात सुनें, केवल सलाह न दें।

स्वच्छता अभियान में निगम की सख्ती

गंदगी फैलाने व गोबर बहाने वालों के 14,500 रुपये के चालान काटे



रोहतक। चालान देते हुए कर्मी। फोटो: हरिभूमि

रोहतक। शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए नगर निगम द्वारा विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने, सड़कों और नालियों में गोबर बहाने तथा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग एवं बिंदी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम आयुक्त नरेंद्र कुमार ने बताया कि निगम की टीम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण कर रही है। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता निगम का उल्लंघन करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ चालान किए जा रहे हैं। हाल ही में चलाए गए अभियान के दौरान गंदगी फैलाने, गोबर बहाने तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग और बिंदी करने वालों के खिलाफ कुल 11 चालान किए गए, जिनकी राशि 14,500 रुपये है। आयुक्त ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना भी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ शहर का निर्माण प्रशासन और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए स्वच्छता नियमों का पालन करे तो शहर की सफाई, कचरा और अन्य अपशिष्ट सार्वजनिक स्थानों, नालियों या सड़कों पर न डालें। साथ ही प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग और बिंदी पूरी तरह बंद करें। निगम द्वारा भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई

नरेंद्र कुमार ने चेतावनी दी कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगामी दिनों में और अधिक सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार कानूनी कदम भी उठाए जाएंगे। नगर निगम ने आमजन से भी सहयोग की अपील की है। किसी भी क्षेत्र में गंदगी फैलाने, गोबर बहाने या स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने की सूचना निगम के हेल्पलाइन नंबर 18001805007 और 8295900992 पर दी जा सकती है। शिकायत मिलने पर निगम की टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करेगी।

तीन दिन चले गतिरोध के बाद हुआ नीरज का पोस्टमार्टम

ईस्माइला गांव में अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज ►► सांपला

ईस्माइला गांव में हुए नीरज हत्याकांड में तीन दिन तक चले गतिरोध के बाद गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस द्वारा जांच में प्रगति और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिलाने के बाद परिजन व ग्रामीण पोस्टमार्टम कराने के लिए तैयार हुए। पोस्टमार्टम के बाद दोपहर बाद गांव में नीरज का अंतिम संस्कार कर दिया गया। नीरज की हत्या के बाद परिजन और ग्रामीण आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे हुए थे। उनका कहना था कि जब तक हत्यारों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक न तो पोस्टमार्टम कराया जाएगा और न ही अंतिम संस्कार किया जाएगा। इसी मांग को लेकर पिछले तीन दिनों से गांव में धरना जारी था। बुधवार को धरनास्थल पर बहुजन समाज पार्टी और भीम आर्मी के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं के पहुंचने के बाद आंदोलन के और बड़ा रूप लेने की संभावना बढ़ गई थी। इससे पुलिस प्रशासन पर भी

तीन लोग गिरफ्तार

सूत्रों के अनुसार पुलिस ने मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वहां नीरज के साथ घटना से पहले बाइक पर देखे गए दो युवक अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है और मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुटी हुई है। सोमवार सुबह ईस्माइला गांव के जलधर परिसर से 26 वर्षीय नीरज का खून से लथपथ शव बरामद हुआ था। उसकी गर्दन पर धारदार हथियार से वार किए जाने के निशान मिले थे। घटनास्थल से खून से खींची कपड़ी, चप्पल और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद हुए थे। इस सनसनीखेज हत्याकांड के बाद पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश और तनाव का माहौल बना हुआ था। गुरुवार को अंतिम संस्कार होने के बाद गांव में स्थिति सामान्य होने लगी, लेकिन ग्रामीण अब भी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।

दबाव बढ़ गया था कि मामला जल्द सुलझाया जाए और कोई बड़ा आंदोलन खड़ा न हो जाए। गुरुवार को पुलिस अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच हुई बातचीत के बाद गतिरोध समाप्त हुआ तथा पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करवाई गई।

2010 से अब तक 100 से अधिक चालान और कई बार सीलिंग कार्रवाई

21 साल बाद भी सपना अधूरा : डेयरी कॉम्प्लेक्स बना, लेकिन शहर से नहीं हट सकीं डेयरियां

■ सीवरों में बह रहे गोबर से बढ़ रही लोगों की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ►► रोहतक

शहर को डेयरियों से होने वाले प्रदूषण और गंदगी से मुक्त करने के उद्देश्य से वर्ष 2005 में गांव कन्हैली के पास डेयरी कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया था। उम्मीद थी कि शहर के अंदर संचालित सभी डेयरियों को यहां स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जिससे शहरी क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी। लेकिन दो दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी यह योजना पूरी तरह सफल नहीं हो सकी है। आज भी बड़ी संख्या में डेयरियां शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित हो रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

नगर निगम ने डेयरियों को शहर से बाहर शिफ्ट करने के लिए पिछले कई वर्षों में लगातार



रोहतक। डेयरी संचालकों को नोटिस देते नगर निगम की टीम। फोटो: हरिभूमि

स्वच्छता व पर्यावरण दोनों के लिए चुनौती

विशेषज्ञों का भी मानना है कि शहर के बीच संचालित डेयरियां स्वच्छता और पर्यावरण दोनों के लिए चुनौती बनी हुई हैं। यदि डेयरी कॉम्प्लेक्स को पूरी सुविधाओं से सुसज्जित कर दिया जाए और शिफ्टिंग प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, तो शहर को प्रदूषण, गंदगी और सीवर जाम जैसी समस्याओं से काफी हद तक राहत मिल सकती है। निगम की कार्रवाई चालान और सीलिंग तक सीमित दिखाई दे रही है, जबकि डेयरी संचालक सुविधाओं की कमी का हवाला देकर कन्हैली जाने से बच रहे हैं।

अभियान चलाए हैं। निगम रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक डेयरी संचालकों के खिलाफ 100 से अधिक बार चालान किए जा चुके हैं। इसके अलावा कई डेयरियों को सील करने की

कार्रवाई भी की गई। बावजूद इसके अधिकांश डेयरी संचालक कन्हैली स्थित डेयरी कॉम्प्लेक्स में स्थायी रूप से शिफ्ट होने को तैयार नहीं हैं। डेयरी संचालकों का तर्क है कि कन्हैली डेयरी

बरसात के मौसम में हालात और खराब होंगे

स्थानीय निवासियों का कहना है कि बरसात के दिनों में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। जाम सीवरों के कारण गंद पानी घरों के आसपास तक पहुंच जाता है। कई बार शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। लोगों का मानना है कि केवल चालान काटने और सीलिंग अभियान चलाने से समस्या खत्म नहीं होगी, बल्कि डेयरियों को व्यवस्थित रूप से कन्हैली शिफ्ट करना ही इसका स्थायी समाधान है।

कॉम्प्लेक्स में अभी भी कई बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उनका कहना है कि पशुओं के लिए पर्याप्त सुविधाएं, पानी की व्यवस्था, सड़क संपर्क, सुरक्षा और अन्य आवश्यक संसाधन पूरी तरह उपलब्ध नहीं हैं। जब तक इन समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक वहां कारोबार संचालित करना व्यावहारिक नहीं है। दूसरी ओर, शहरवासियों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं. : 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/-
10X 8 से.मी		रु. 3500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

सिटी कार्यालय : हरिभूमि, कृषि विज्ञान केंद्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9998959400

मुख्य कार्यालय : हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20